मध्यपूर्व एशिया क्षेत्र में उत्पन्न स्थिति के मद्देनज़र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सर्वदलीय बैठक बुलाई। बैठक में उन्होंने सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में तेल, गैस के प्रबंधन की स्थिति के बारे में चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने तेल, गैस, फर्टिलाइज़र आपूर्ति पर सर्वदलीय बैठक की

उन्होंने सभी दलों के प्रतिनिधियों से सामूहिक जिम्मेदारी के साथ काम करने का आव्हान किया

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रभावी निगरानी व सतर्कता के लिए राज्य स्तर पर उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। जिला स्तर पर कलैक्टर, पुलिस अधीक्षक, डीएसओ और तेल कंपनियों के नोडल अधिकारियों की टीमें गठित की गई हैं। चौबीस घंटे हैल्पलाइन भी चालू है।
- उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में रियाद, कुवैत, बहरीन, दुबई जैस देशों में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स ने प्रवासी राजस्थानियों के लिए सुरक्षित आवास, खाने आदि की व्यवस्था तथा वतन वापसी का सराहनीय कार्य किया।

जयपुर, 26 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मध्यपूर्व एशिया क्षेत्र में उत्पन्न स्थिति के मद्देनज़र, कच्चे तेल, गैस और फर्टिलाइज़र की आपूर्ति के संबंध में आयोजित सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में तेल, गैस के प्रबंधन की स्थिति के बारे में चर्चा करते हुए सामूहिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आव्हान किया।

शर्मा ने दलों के साथ-साथ प्रदेश की जनता को आश्वस्त किया कि राजस्थान में पेट्रोल-डीजल, गैस एवं उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त है तथा किसी प्रकार की घबराहट की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रभावी निगरानी और सतर्कता के लिए राज्य स्तर पर एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। वहीं, जिला स्तर पर कलक्टर, पुलिस अधीक्षक, डीएसओ और तेल कंपनियों के नोडल अधिकारियों की टीमें भी गठित की गई हैं। समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 181, 112 और 14435 हेल्पलाइन नंबर चौबीस घंटे संचालित किए जा रहे हैं।

विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं ने कहा कि वे पूरी तरह राज्य सरकार के साथ हैं। उन्होंने गैस एवं तेल प्रबंधन में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विभिन्न सुझाव दिए।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी, कांग्रेस विधायक राजेन्द्र पारीक और रामकेश, बसपा विधायक मनोज कुमार, राष्ट्रीय लोकदल से विधायक डॉ. सुभाष गर्ग, निर्दलीय विधायक अशोक कुमार कोठारी, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास सहित, संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे। वहीं, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग और भारत आदिवासी पार्टी के विधायक थावर चन्द वीसी के माध्यम से जुड़े।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मध्यपूर्व एशिया क्षेत्र में मौजूदा हालात को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान फाउंडेशन के 26 चैप्टर्स एवं देश-विदेश के 60 प्रवासी राजस्थानी एसोसिएशन्स, प्रवासी राजस्थानी कॉर्डिनेटर्स के साथ वीसी के माध्यम से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि हाल ही के दिनों में रियाद, कुवैत, बहरीन और दुबई जैसे देशों में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स ने प्रवासी राजस्थानियों के सुरक्षित आवास तथा भोजन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं और वतन वापसी का सराहनीय कार्य किया है।

संथाल लेखक कलेन्द्रनाथ मांडी भाजपा में शामिल

कोलकाता, 26 मार्च। डायन कुप्रथा के खिलाफ लंबे समय से संघर्ष करने वाले संथाल लेखक और साहित्यकार कलेन्द्रनाथ मांडी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। राज्य भाजपा के साल्टलेक स्थित कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और पुरुलिया के सांसद तथा प्रदेश भाजपा महासचिव ज्योतिर्मय सिंह महतो की उपस्थिति में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

उल्लेखनीय है कि कलेन्द्रनाथ मांडी वर्ष 2023 के पंचायत चुनाव में पुरुलिया जिले के बांदवान ब्लॉक की एक सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर जिला परिषद सदस्य चुने गए थे। हाल ही में उन्हें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हाथों 'बंगभूषण' सम्मान से भी सम्मानित किया गया था।

संथाली साहित्य के प्रमुख हस्ताक्षरों में गिने जाने वाले कलेन्द्रनाथ मांडी ने वर्ष 1981 में साहित्य लेखन की शुरुआत की थी।

छिंदवाड़ा: बस ट्रक की आमने सामने टक्कर में 10 की मौत

बस मुख्यमंत्री मोहन यादव के हितग्राही कार्यक्रम से लौट रही थी, जब यह हादसा हुआ

- हादसे के कारण सड़क पर 4-5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। बस में कुल 41 लोग बैठे थे। मरने वालों में 6 पुरुष, 3 महिलाएं व 1 बच्चा है।

जबलपुर, 26 मार्च। मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा जिले के मोहखेड़ थाना अंतर्गत सेमरिया हनुमान मंदिर के पास गुरुवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के "हितग्राही सम्मेलन" से लौट रही एक बस और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

हादसा गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे उमरानाला इलाके में हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस (भंडारकुंड करेर की) और ट्रक के बीच सीधी भिड़ंत हुई। सूचना मिलते ही 20 से ज्यादा एंबुलेंस मौके पर पहुँचीं। हादसे के कारण सड़क पर 4 से 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसे खुलवाने और राहत कार्य में पुलिस प्रशासन जुटा हुआ है। छिंदवाड़ा एसपी ने घटनास्थल पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया और हताहतों के आंकड़ों की पुष्टि की है। मरने वालों में 6 पुरुष, 3 महिलाएं, 1 बच्चा शामिल है।

बस में कुल 41लोग सवार थे। सभी हितग्राही सम्मेलन से लौट रहे थे।सभी को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

प्रशासन और डॉक्टरों की पूरी टीम घायलों को बचाने में जुटी है। एसपी अजय पांडे ने कहा कि सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। घटनास्थल पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात हैं। घायलों को निकालने के लिए क्रेन और स्थानीय लोगों की मदद ली गई है। जिला अस्पताल में भी इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिया गया है ताकि घायलों को तत्काल उपचार मिल सके।

ट्रक से टक्कर के बाद बस में भीषण आग लगी, 13 की मौत

आंध्र में हुए इस हादसे में दोनों वाहन जल कर नष्ट हो गए, 20 की हालत गंभीर

- दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अभी तक आग लगने के कारण का पता नहीं चला है।

विजयवाड़ा, 26 मार्च। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में गुरुवार तड़के बड़ा हादसा हुआ है। रायवरम के पास मार्कपुरम मंडल में एक निजी बस और बजरी से लदे ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम 13 लोगों की जान चली गई। बताया जा रहा है कि टक्कर के कारण भीषण आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में दोनों वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। 13 यात्री आग में जलकर मर गए, जबकि लगभग 20 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल पास के अस्पतालों में ले जाया गया, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही, पुलिस और अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत की और काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय बस तेलंगाना के जगतियाल से प्रकाशम जिले के पोडिली जा रही थी। दुर्घटना के सटीक कारण का अभी पता नहीं चल पाया है और विस्तृत जांच जारी है। अधिकारी बचाव और पहचान के प्रयास जारी रखे हुए हैं, इसलिए अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। घायलों को इलाज के लिए मार्कपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बचाव अभियान जारी है। मरकापुरम के एसपी वी हर्षवर्धन राजू ने कहा, 22 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में 35 यात्री सवार थे। घटना की पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख जताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुए भीषण बस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये व घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने रामनवमी की शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली, 26 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामनवमी के अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देशवासियों को रामनवमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार हमें न्याय, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन-मूल्यों का अनमोल संदेश मिलता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि देशभर के परिवारजनों को रामनवमी की शुभकामनाएं। त्याग, तप और संयम से भरे मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन से हमें हर परिस्थिति का पूरे सामर्थ्य से सामना करने की प्रेरणा मिलती है। उनके आदर्श अनंतकाल तक भारतवासियों के साथ-साथ संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे।

खार्ग द्वीप पर कब्जा किया तो बाब अल-मंडेब स्ट्रेट पर कब्जा कर लेंगे

ईरान ने अमेरिका को खुली धमकी दी

- हूती विद्रोहियों ने कहा कि बाब अल मंडेब स्ट्रेट पर कब्जा करने में वे ईरान की मदद करेंगे। यह स्ट्रेट लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है।

तेहरान, 26 मार्च। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका खार्ग द्वीप पर हमला करता है, तो वह युद्ध में एक नया मोर्चा खोल देगा और बेहद अहम लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ने वाले बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य व्यापार मार्ग को बाधित कर देगा। इसके अलावा, हूती विद्रोही समूह ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इज़रायल के साथ युद्ध के दौरान ईरानी शासन को मदद की जरूरत पड़ी तो वे 20 मील चौड़े इस जलडमरूमध्य पर कब्ज़ा करने में मदद करेंगे।

होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से दुनिया की 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति पर वैश्विक असर देखा जा रहा है। बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। हर साल दुनिया भर में समुद्र के रास्ते होने वाली तेल की लगभग 12 प्रतिशत खेप इसी जलडमरूमध्य से गुज़रती है।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने ईरान की सरकारी समाचार संस्था तस्नीम न्यूज एजेंसी को बताया कि अमेरिका अगर ईरान के द्वीपों या जमीन पर कहीं पर कार्रवाई करना चाहता है या फारस की खाड़ी और ओमान सागर में नौसैनिक गतिविधियों से ईरान को नुकसान पहुंचाना चाहता है, तो हम उनके लिए दूसरे मोर्चे खोल देंगे। उनकी कार्रवाई से कोई फायदा तो नहीं होगा, बल्कि मुश्किलें दोगुनी हो जाएंगी।

उन्होंने कहा कि बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य को दुनिया के रणनीतिक जलडमरूमध्यों में से एक माना जाता है और ईरान के पास इसके खिलाफ पूरी तरह से विश्वसनीय खतरा पैदा करने की इच्छा और क्षमता, दोनों हैं। इसलिए, अगर अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए कोई समाधान निकालने की सोच रहे हैं, तो उन्हें सावधान रहना चाहिए कि वह अपनी समस्याओं और मुश्किलों में एक और जलडमरूमध्य को न जोड़ लें। बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य यमन के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोही मौजूद हैं। वहीं, हूती विद्रोही समूह ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के दौरान ईरानी शासन को मदद की ज़रूरत पड़ी, तो वे 20 मील चौड़े इस जलडमरूमध्य पर कब्ज़ा करने में मदद करेंगे और यह एक ऐसा कदम होगा जो लाल सागर से होने वाले यातायात में बाधा डालेगा, जहाँ हर साल एक ट्रिलियन डॉलर का सामान गुज़रता है। हूतियों ने बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से गुजरने वाले इजराइल से जुड़े जहाज़ों पर दो साल से भी ज़्यादा समय तक हमले किए थे।

ईरान की ये धमकियां ऐसे समय में आई हैं जब अमेरिका सेना की 82वीं इन्फैंट्री डिवीजन के 3,000 सैनिकों को मध्य-पूर्व भेजने की तैयारी में है। ये सैनिक तीन युद्धपोतों पर तैनात लगभग 2,500 मरीन सैनिकों के साथ शामिल होंगे।

होर्मुज़ स्ट्रेट के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्षेत्र में मौजूद जो जहाज होर्मुज से गुजरने की तैयारी कर रहे थे, वे अब समुद्र में ही लंगर डालकर खड़े हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार दुनिया के टैंकर बेड़े का 5.5 प्रतिशत और कंटेनर एवं ड्राई कार्गो बेड़े का 1.5 प्रतिशत हिस्सा इस समय फारस की खाड़ी में फंसा हुआ है।

एनालिटिक्स फर्म वॉर्टेक्सा के अनुसार, इस क्षेत्र में फंसे हुए टैंकरों में लगभग 190 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद लदे हैं। इसके अतिरिक्त, 177 सामान्य मालवाहक जहाज, 174 कंटेनर जहाज, 98 द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस

- इन टैंकरों पर 190 मिलियन, बैरल कच्चा तेल व पैट्रोलियम उत्पाद, एलएनजी आदि लदी है।

कैरियर, 42 डामर/बिटुमेन कैरियर, 37 भारी-भरकम सामान उठाने वाले जहाज और 34 एलपीजी/रासायनिक टैंकर भी इस क्षेत्र में मौजूद हैं। जर्मनी की कंपनी हेपेग-लॉयड ने हाल में बताया कि मौजूदा तनाव के चलते उसके छह जहाज़ फ़ारस खाड़ी में काम नहीं कर पा रहे हैं।

इस्लामिक रिवोल्युशनरी गार्ड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उद्योग की खुफिया वेबसाइट लॉयड्स लिस्ट के अनुसार, सामान्यत: इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 120 जहाज गुजरते हैं। हालांकि, 1 मार्च से 25 मार्च के बीच, विश्लेषण फर्म केप्लर के अनुसार केवल 155 बार मालवाहक जहाजों ने पारगमन किया, जो 95 प्रतिशत की कमी दर्शाता है।

इनमें से 99 तेल टैंकरों और गैस वाहकों ने इसे पार किया, और अधिकांश जहाज स्ट्रेट से पूर्व की ओर जा रहे थे। बुधवार को केवल दो जहाजों के इस मार्ग से गुजरने का पता चला, और दोनों पश्चिम की ओर जा रहे थे।

फार्स और तस्नीम समाचार एजेंसियों, जो ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के करीब मानी जाती हैं, ने रिपोर्ट किया है कि तेहरान जहाजों को गुजरने देने के बदले शुल्क लेने की प्रक्रिया को औपचारिक रूप देने पर भी काम कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान एक "वास्तविक 'टोल बूथ' प्रणाली" लागू कर रहा है, जिसमें स्ट्रेट से गुजरने पर कुछ जहाजों से चीनी युआन में भुगतान लिया जा रहा है।

ईरान ने अमेरिका का एक और एफ-18 विमान नष्ट करने का दावा किया

- ईरान ने कहा कि ईरान की सेना ने चाबहार पर मंडरा रहे इस विमान को नष्ट कर दिया है
- अमेरिका ने इस दावे को सरासर झूठ बताया व कहा कि अमेरिका के किसी भी लड़ाकु विमान को नुकसान नहीं हुआ है।

तेहरान, 26 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 27 दिनों से जारी युद्ध के बीच ईरान ने अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-18 को चाबहार क्षेत्र के ऊपर मार गिराया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने यह दावा किया। आईआरजीसी ने कहा कि उसने ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक और अमेरिकी एफ-18 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। आईआरजीसी के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक यह चौथा अमेरिकी लड़ाकू विमान है, जिसे निशाना बनाया गया है।

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के स्वामित्व वाले ईरान के सरकारी मीडिया संगठन प्रेस टीवी और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग ने बुधवार को वायु रक्षा इकाइयों द्वारा किए गए इस सफल अभियान की जानकारी दी।

एक बयान में आईआरजीसी ने कहा कि उसने देश के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक विमान को रोका और मार गिराया। दुश्मन के इस विमान को दक्षिणी ईरान के ऊपर मंडराते समय निशाना बनाया गया और नष्ट कर दिया गया। इसके साथ ही ईरानी सशस्त्र बलों ने कहा कि उन्होंने जवाबी कार्रवाई में सटीक-निर्देशित मिसाइलों और उन्नत ड्रोनों का इस्तेमाल करते हुए 80 से अधिक चरणों में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी और इज़रायली ठिकानों पर हमले किए हैं। उधर, अमेरिका ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ईरान का यह दावा झूठा है और किसी भी अमेरिकी लड़ाकू विमान को नुकसान नहीं पहुंचा है।

प.बंगाल एसआईआर की पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट में 13 लाख नाम कटे

कोलकाता, 26 मार्च। बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीज़न (एसआईआर) की पहली पूरक सूची में करीब 13 लाख लोगों के नाम कटे हैं।

- दूसरी सप्लीमेंट्री लिस्ट शुक्रवार को आने की संभावना है।

बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के सूत्रों से यह जानकारी मिली है।

उनके अनुसार, पहली सूची जारी होने तक 32 लाख मामलों का निपटारा हुआ था, जिनमें से 13 लाख लोगों के नाम कटे हैं, जबकि 10 लाख के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल हुए हैं। बाकी नौ लाख लोगों के स्टेटस को लेकर फिलहाल अनिश्चितता है।

इस बीच, सूत्रों के हवाले से यह भी खबर है कि दूसरी पूरक सूची आगामी शुक्रवार को जारी होगी। पहली सूची सोमवार मध्य रात्रि को जारी हुई थी। चुनाव आयोग की ओर से इसे लेकर अब तक कोई प्रेस नोट जारी नहीं किया गया है, जिससे आधिकारिक तौर पर यह यह स्पष्ट नही हो पाया है कि कुल कितने लोगों के नाम कटे हैं और कितनों के नाम अंतिम मतदाता सूची में जुड़े हैं।

अंतिम मतदाता सूची जारी होने के 22 दिन बाद पहली पूरक सूची जारी हुई थी। अंतिम मतदाता सूची गत 28 फरवरी को जारी हुई थी।

कश्मीर में ईरान के लिए 18 करोड़ रु. इकट्ठे हुए

- इसमें 88 प्रतिशत राशि शिया समुदाय के लोगों की है।
- सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम पर नज़र रख रही हैं।

कश्मीर, 26 मार्च। कश्मीर घाटी में ईरान के समर्थन के लिए बड़ी राशि का चंदा जुटाने का मामला सामने आया है। सुरक्षा एजेंसियां इस पर चौकसी बढ़ा रही हैं। उन्हें आशंका है कि यह धन आतंकी फंडिंग में इस्तेमाल हो सकता है। अब तक 17.91 करोड़ रुपए का चंदा इकट्ठा किया गया है, जिसमें से 85 प्रतिशत राशि शिया समुदाय के लोगों ने दान की है। बड़गाम जिला इस अभियान में सबसे आगे है, जहां लगभग 9.5 करोड़ रुपए की राशि जुटाई गई है। यह फंडरेजिंग अभियान जकात और सदका जैसी धार्मिक गतिविधियों से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। इसका मूल उद्देश्य ईरान में मौजूदा संघर्ष से प्रभावित नागरिकों की मदद करना है।

इस चंदा को इकट्ठा करने के लिए ईरान के दूतावास ने एक विशेष बैंक अकाउंट खोला है, जिसमें यूपीआई के जरिए भुगतान किया जा सकता है। अधिकारियों का मानना है कि चंदा जितना इकट्ठा हो रहा है, उसकी राशि और बढ़ने की भी संभावनाएं हैं।

खुफिया एजेंसियां इस पूरे मामले पर गौर कर रही हैं। उनका कहना है कि चंदा जुटाने के इस अभियान का कुछ हिस्सा गलत हाथों में जा सकता है। अधिकारियों ने इस बात का भी उल्लेख किया है कि लोगों की भावना तो सही हो सकती है, लेकिन बिचौलिये और बिना सत्यापन वाले संगठनों के कारण पारदर्शिता में कमी आ सकती है।

जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि कुछ शिया धार्मिक नेता और संगठन ईरान से आर्थिक सहायता प्राप्त कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि बिना पर्याप्त निगरानी के, इस प्रकार के फंड का इस्तेमाल राजनीतिक गतिविधियों या अन्य उद्देश्यों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। अत: सुरक्षा एजेंसियों ने फंड की निगरानी को और मजबूत करने की योजना बनाई है।

ईरान वॉर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वस्तुओं के निर्माता पहले से ही लंबी आपूर्ति अवधि और बढ़ी हुई लागत की रिपोर्ट कर रहे हैं, भले ही अभी भारी कमी नहीं दिख रही हो। "ब्लूम आईवीएफ" के कंसल्टेंट आईवीएफ विशेषज्ञ रोहन पालशेटकर ने कहा, फिलहाल यह रोजमर्रा की सेवाओं को प्रभावित नहीं कर रहा है, लेकिन युद्ध का सिस्टम पर अप्रत्यक्ष दबाव पड़ेगा। चूंकि हम कच्चे माल, मेडिकल डिवाइस और कुछ उच्च-स्तरीय उपकरणों के आयात पर निर्भर हैं, इसलिए खरीद लागत बढ़ सकती है।" उन्होंने यह भी कहा कि अभी मौजूदा स्टॉक के कारण मरीजों के बिल नहीं बढ़े हैं, "लेकिन यदि यह स्थिति बनी रहती है, तो लागत में वृद्धि हो सकती है, जिसका सीधा असर मरीजों पर पड़ेगा।" "स्टेरिस हेल्थकेयर" के चेयरमैन जीवन कसारा ने भी इसी बात को दोहराते हुए कहा, स्वास्थ्य क्षेत्र पर, विशेष रूप से फार्मा उद्योग में, इसका असर दिखेगा, क्योंकि यह क्षेत्र ऐक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रेडिएन्ट्स (एपीआई), इंटरमीडिएट्स और पेट्रोकेमिकल आधारित पैकेजिंग सामग्री के आयात पर काफी निर्भर है। लंबे समय तक व्यवधान रहने से दवाइयों की कीमतें बढ़ेंगी।" "टीआई मेडिकल" के सीईओ प्रशांत कृष्णन के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव "वैश्विक स्वास्थ्य आपूर्ति श्रृंखलाओं पर महत्वपूर्ण दबाव बना रहे हैं। प्रमुख व्यापार मार्गों में बाधाएं और ऊर्जा लागत में वृद्धि इनपुट और परिवहन खर्च को बढ़ा रही हैं।" उनके अनुसार, कुछ मामलों में, मेडिकल-ग्रेड प्लास्टिक जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल की कीमतों में 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है, तथा साथ ही पैकेजिंग और ईंधन लागत भी बढ़ी है। फिलहाल कंपनियां मरीजों पर बोझ कम रखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जहां आयात पर निर्भरता अधिक है, वहां "चयनात्मक (सलैक्टिव) मूल्य वृद्धि हो सकती है।

दो दिन बचे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एआईसीसी के प्रशासन को संभालने वालों द्वारा पहले ही सुलझाया जाना चाहिए था।

क्या एआईसीसी की व्यवस्था विफल हो गई है?

अब पार्टी इस मामले में अदालत का रुख करने और स्थगन (स्टे) व समय लेने पर भी विचार कर रही है, लेकिन पार्टी को पहले ही पर्याप्त समय दिया जा चुका है।

सरकार की अंतिम समय-सीमा समाप्त होने में अब सिर्फ 2 दिन बचे हैं, और कांग्रेस नेता घबराए हुए हैं।

राजस्थान का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और पूरी तरह निश्चिंत रहें। सरकार पूरी तरह सजग है और आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा रही है।

कतर से गैस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अक्सर भू-राजनीतिक और प्राकृतिक उतार-चढ़ावों की परीक्षा से गुजरना पड़ता है। 2010 से 2014 के बीच, जब भारत ने बड़े पैमाने पर एलएनजी आयात बढ़ाना शुरू किया था, तब इसका 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा क़तर से आता था। उस समय की सरकार ने इतने अस्थिर क्षेत्र में स्थित एक ही स्रोत पर इतनी निर्भरता क्यों बनाई, यह अलग चर्चा का विषय है। संभवत: वे निर्णय "रणनीतिक" होने की अपेक्षा 'व्यावसायिक' अधिक थे। कारण चाहे जो भी रहे हों, यह उस समय को दर्शाता है, जब हम अपने बाज़ार के आकार का उपयोग अपने हितों को सुरक्षित करने के लिए पूरी तरह नहीं कर पाए थे।

लेकिन 2014 से, जैसा कि आंकड़े दर्शाते हैं, एलएनजी आयात के स्रोतों में विविधता लाने और क़तर पर निर्भरता कम करने का ठोस निर्णय लिया गया।

2014 में, जब नरेन्द्र मोदी ने पहली बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली, तब क़तर से एलएनजी आयात कुल आयात का 86 प्रतिशत था। अगले ही वर्ष यह घटकर 62 प्रतिशत हो गया। एक साल के भीतर ही भारत अपने एलएनजी स्रोतों में विविधता लाया तथा एलएनजी के स्रोतों में मुख्य रूप से चार देश, नाइजीरिया, इक्वेटोरियल गिनी, ऑस्ट्रेलिया और ओमान और जुड़ गये।

यह कदम आसान नहीं था, क्योंकि अमेरिका, क़तर और ऑस्ट्रेलिया एलएनजी क्षेत्र में 60 प्रतिशत से अधिक की संयुक्त हिस्सेदारी के साथ हावी हैं। फिर भी, 2017 तक क़तर से हमारा एलएनजी आयात घटकर 51 प्रतिशत रह गया, और 2020 तक 39 प्रतिशत। मात्र पाँच वर्षों में हमने क़तर पर अपनी निर्भरता घटाकर आधी कर दी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600